हिन्दी साप्ताहिक

न्यूज आइकॉन

T.C. NO. MAHHIN10172

संपादक - मुर्तुजा मामाजीवाला | ईमेल: newsicon2021@gmail.com | मूल्यः रु. - 2/-

वर्षः 2 | अंकः 2 | पृष्ठः 8 | शुक्रवार 24 जून से 30 जून 2022

और उलझा महाराष्ट्र संकट सरकार ही नहीं

एकनाथ शिंदे ने शिवसेना पर भी ठोंका दावा

मुंबईः दो दिन से महाराष्ट्र में सरकार बचाने में जुटे उद्धव ठाकरे पर अब अपनी पार्टी को बचाने की नौबत आ गई है। एकनाथ शिंदे ने सरकार नहीं, सीधे पार्टी पर कब्जे की घोषणा कर दी है। दरअसल शिवसेना ने व्हिप जारी कर बुधवार शाम पांच बजे पार्टी विधायकों की बैठक बुलाई थी। एकनाथ शिंदे ने पार्टी व्हिप को अवैध बता चीफ व्हिप सुनील प्रभु को हटाने की घोषणा कर दी। साथ ही भरत गोगावले को इस पद पर नियुक्त भी कर दिया। साथ ही शिंदे ने विधायक दल के नेता होने का दावा ठोंकते हुए 34 विधायकों के समर्थन वाली चिट्ठी राज्यपाल को भेज दी। साफ है कि सरकार के साथ वह पार्टी पर भी कब्जा करने की कोशिश में हैं। शिंदे दावा कर रहे हैं कि उनके पास 46 विधायक हैं। हालांकि, सूरत से गुवाहाटी ले जाए गए शिवसेना के

35 और दो निर्दलीय विधायकों का एकनाथ शिंदे के साथ होने का दावा है। इसी बीच, बुधवार को तीन और विधायक महाराष्ट्र भाजपा अध्यक्ष चंद्रकांत पाटिल के साथ गुवाहाटी के लिए निकल गए। यानी शिंदे के साथ कुल 40 विधायक हैं। उधर, सरकार और पार्टी बचाने के लिए इमोशनल कार्ड खलते हुए उद्धव ने शाम को फेसबुक पर लाइव होकर एकनाथ शिंदे को संदेश देते हुए कहा कि मैं शिवसेना पक्ष प्रमुख का पद भी छोड़ने को तैयार हूं। अगर मेरे शिवसैनिकों को यह लगता है कि मैं इस पार्टी को चलाने में सक्षम नहीं हूं या मैं नालायक हूं, तो मैं इस पद से भी इस्तीफा दे सकता हूं। महाराष्ट्र के सीएम उद्धव ठाकरे ने जनता को संबोधित करते हुए कहा कि मुझे इस बात का दुख नहीं है कि मुझ पर आरोप लग रहे हैं या मेरे ऊपर हमला किया जा रहा है, लेकिन मुझे दुख इस बात का है कि यह हमला करने वाला कोई और नहीं मेरा अपना ही शख्स है, जो मुझे अंदर तक तोड़ रहा है।

बागी एकनाथ शिंदे का दावा, 42 विधायक हमारे साथ; तो क्या दो-फाड़ हो जाएगी शिवसेना?

मुंबई. महाराष्ट्र में शुरू हुई सियासी उथल-पुथल सत्ताधारी पार्टी शिवसेना के लिए बड़ा संकट बन सकती है. शिवसेना के बागी मंत्री एकनाथ शिंदे ने सूरत से गुवाहाटी पहुंचने के बाद दावा किया है कि शिवसेना के 40 विधायक उनके साथ मौजूद हैं. अगर वाकई में शिंदे का दावा सही है तो शिवसेना में दो-फाड़ होने का संकट पैदा हो सकता है और दलबदल कानून का भी खतरा नहीं रहेगा. अटकले हैं कि शिवसेना के ये बागी नेता महाराष्ट्र की महाविकास अघाड़ी सरकार को गिराने के लिए बीजेपी का समर्थन कर सकते हैं. बीजेपी ने उद्धव ठाकरे सरकार के ह्यातकनीकी रूप से अल्पमतह्व में आने का दावा किया है, लेकिन अपनी सरकार के गठन के मुद्दे पर फिलहाल

वेट एंड वॉच की बात कही है. शिवसेना के बागी नेता एकनाथ शिंदे की अगुआई में ये नेता जब सूरत से गुवाहाटी एयरपोर्ट पहुंचे तो उनकी अगवानी बीजेपी के विधायक सुशांत बोरगोहेन और भाजपा सांसद पल्लव लोचन दास ने की. अठक के मुताबिक, पत्रकारों के पूछने पर बोरगोहेन ने कहा कि मैं यहां उन्हें (शिवसेना विधायकों को) रिसीव करने आया हूं. मैं उनसे निजी संबंधों की वजह से यहां पर हूं. जब उनसे पूछा गया कि कितने विधायक आए हैं तो उन्होंने कहा कि मैंने गिने नहीं हैं. हालांकि एकनाथ शिंदे ने एयरपोर्ट पर ही दावा किया कि उनके साथ शिवसेना के 40 विधायक यहां पर मौजूद हैं. उन्होंने कहा कि हम बाला साहेब ठाकरे के हिंदुत्व को आगे बढ़ाएंगे. सूरत छोड़ने से पहले हवाई अड्डे पर शिंदे ने कहा था कि हमने बाला साहेब की शिवसेना को नहीं छोड़ा है, और न कभी आगे छोड़ेंगे.

एकनाथ शिंदे के 40 विधायकों के साथ होने के दावे से शिवसेना में दो-फाड़ होने का खतरा पैदा हो गया है और दलबदल कानून के तहत कार्रवाई भी नहीं होगी. दरअसल, दलबदल कानून कहता है कि अगर किसी पार्टी के कुल विधायकों में से दो-तिहाई के कम विधायक ह्यविलयह्व करते हैं तो उन्हें अयोग्य करार दिया जा सकता है. इंडियन एक्सप्रेस के मुताबिक, शिवसेना के पास इस समय विधानसभा में 55 विधायक हैं. ऐसे में दलबदल कानून से बचने के लिए बागी गुट को कम के कम 37 विधायकों (55 में से दो-तिहाई) की जरूरत होगी और शिंदे अपने साथ 40 विधायकों का दावा कर रहे हैं.

तेजी से बदले घटनाक्रम के बीच महाराष्ट्र में बीजेपी के अध्यक्ष चंद्रकांत पाटिल ने उद्धव ठाकरे सरकार के अल्पमत में होने का दावा किया. अठक से बातचीत में उन्होंने कहा कि हमार जानकारी के अनुसार एकनाथ शिंदे और 35 विधायक चले गए हैं. इसका मतलब तकनीकी तौर पर महाराष्ट्र की एमवीए सरकार अल्पमत में है, हालांकि प्रैक्टिकली सरकार को अल्पमत में आने में थोड़ा वक्त लगेगा. बीजेपी के सरकार बनाने के दावे पर पाटिल ने कहा कि इस बारे में अभी कुछ कहना जल्दबाजी होगी. हम इंतजार कर रहे हैं. हालात पर हमारी नजर है.

मनी लॉन्ड्रिंग केसः ED ने महाराष्ट्र के मंत्री अनिल परब से 10 घंटे पूछताछ की, आज फिर बुलाया

मुंबईः प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को महाराष्ट्र के मंत्री अनिल परब से धन शोधन (मनी लॉन्ड्रिंग) मामले में करीब 10 घंटे पूछताछ की. जांच एजेंसी ने उन्हें बुधवार को भी तलब किया है. अधिकारियों ने यह जानकारी दी. अनिल परब से पूछताछ का यह मामला रत्नागिरि जिले के दापोली क्षेत्र में एक रिजॉर्ट के निर्माण में तटीय विनियमन क्षेत्र (सीआरजेड) के प्रावधानों के कथित उल्लंघन से जुड़ा है. ईडी ने समन जारी करके परब को एजेंसी के मुंबई स्थित क्षेत्रीय कार्यालय में पेश होने के लिए कहा था.सूत्रों ने बताया कि परब पूर्वाह्न 11 बजकर 20 मिनट पर दक्षिण मुंबई के बल्लार्ड एस्टेट स्थित ईडी कार्यालय पहुंचे. मंगलवार को 11 घंटे तक चली ईडी की पूछताछ के बाद मंत्री अनिल परब ने अठकसे कहा कि मैंने उनके सभी सवालों के जवाब दिए हैं और आगे भी ऐसा ही करूंगा. इससे पहले परब को 15 जून को भी तलब किया गया था, लेकिन आधिकारिक काम का हवाला देते हुए वह उस दिन पेश नहीं हुए थे.अधिकारियों ने पहले बताया था कि संघीय एजेंसी धन शोधन रोकथाम कानून (पीएमएलए) के तहत परब से पूछताछ करके उनके बयान दर्ज करना चाहती है.

Know Your Past, Present & FUTURE - with "My Miracles of Numerology"

Sandhiya Mehhta

Sandhiya Mehhta is a world renowned Numerologist, Vastu expert, Spiritual Healer with activated third eye. Her knowledge, wisdom and insight has helped innumerable people.

Titled as "Indian Nostradamus" and winner of many awards worldwide, she says "MY CLIENT'S REWARDS ARE MY ONLY AWARDS"

Sandhiya Mehhta is the only successful numerologist that predicts your future and helps you mould your present with scientific remedies that are unique and developed over 25 years of research.

"No stones, signature changes and blind faith can uplift you and eliminate problems, but my system of remedy has shown tremendous results for people from every walk of life be it academics, sports, celebrities or politics"

"I will consult, inform, empower and guide you to a better present and future"

Famous for Exclusive research for the trio- 4, 7, 8 - "People born on this are such intelligent & hardworking individuals but need little help to realise their full destiny which I do through my remedies and research. It's a beautiful cocoon to butterfly journey".

Book your consultation NOW

+919819921673, +919769071673

www.yellowsoul.in / Email: contact.yellowsoul@gmail.com

Sandhiya.mehhta @sandhiyamehta

All credit cards are accepted

केंद्रीय मंत्री नारायण राणे ने सीएम उद्धव ठाकरे से मांगा इस्तीफा

मुंबई. महाराष्ट्र में उठे सियासी तूफान के बीच महाराष्ट्र से जुड़े कई नेताओं ने बयान दिए हैं. इस बीच कभी शिवसेना में कद्दावर नेता रहे और अब भाजपा नेता बने केंद्रीय मंत्री नारायण राणे ने कहा है कि उद्धव ठाकरे के पास बहुमत नहीं है, इसलिए उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए. उन्होंने कहा कि 24 घंटे में महाराष्ट्र की राजनीतिक स्थिति साफ हो जाएगी. केंद्रीय मंत्री नारायण राणे ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के इस्तीफे की मांग करते हुए दावा किया कि उन्हें विधानसभा में पर्याप्त विधायकों का समर्थन नहीं है. सूरत में डेरा जमाए शिवसेना नेता एकनाथ शिंदे के 25 विधायकों के साथ बागी हो जाने के बाद राज्य में उत्पन्न राजनीतिक संकट के बीच नारायण राणे ने यह टिप्पणी की है. राणे ने कहा कि शिंदे ने शिवसेना से अलग होने का उचित निर्णय लिया है. कभी शिवसेना के कद्दावर नेता रहे राणे ने कहा, शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ने शिंदे के साथ पार्टी में सम्मानजनक व्यवहार नहीं किया. उद्धव के बेटे और कैबिनेट मंत्री आदित्य और उनके चचेरे भाई वरुण सरदेसाई भी शिंदे के नियंत्रण वाले शहरी विकास विभाग में दखल दे रहे थे. इसलिए, उनके लिए शिवसेना छोड़ना सही फैसला है.नाराण राणे ने कहा कि अगले 24 घंटों में महाराष्ट्र में तस्वीर साफ हो जाएगी. उन्होंने दावा किया कि ठाकरे द्वारा मंगलवार को मुंबई में उनके आधिकारिक आवास वर्षा में बुलाई गई बैठक में शिवसेना के केवल 11 विधायक मौजूद थे. बागी नेता एकनाथ शिंदे के खेमे में 35 विधायक बताए जा रहे हैं. शिवसेना के पास कुल विधायकों की संख्या 55 है. यानी अगर बागी विधायक ने अपना फैसला नहीं बदला तो शिवसेना में दो फाड़ होना तय है क्योंकि उस स्थिति में 20 विधायक ही साथ रह जाएंगे

सियासी संकट के बीच राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी कोरोना संक्रमित

मुंबई. महाराष्ट्र में जारी राजनीतिक संकट के बीच प्रदेश के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक राज्यपाल भगत सिंह एचएन रिलायंस अस्पताल में भर्ती हुए हैं. बताया जा रहा है कि राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी देर रात कोरोना संक्रमित पाए गए. उनकी रिपोर्ट बीती रात को आई थी. राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी ने ट्वीट कर कहा ह्लमैं कोविड-19 से संक्रमित हो गया हूं. मुझे कोरोना के हल्के लक्षण हैं. हालांकि एहतियात के तौर पर मुझे अस्पताल में भर्ती कराया गया है.ह्ल बता दें कि इन दिनों महाराष्ट्र में राजनीतिक संकट गहराया हुआ है. महाविकास अघाड़ी के तीन दलों शिवसेना, कांग्रेस और एनसीपी की गठबंधन वाली सरकार में शिवसेना के 35 विधायक बागी हो गए हैं. इन बागी विधायकों का नेतृत्व सरकार में मंत्री और शिवसेना नेता एकनाथ शिंदे ही कर रहे हैं.बता दें कि आज ही यह कयास लगाया जा रहा था कि एकनाथ शिंदे राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी से मुलाकात कर सकते हैं, जिसके लिए उन्होंने समय मांगा है.

शिंदे की बगावत के बाद एक्शन में आई बीजेपी, वरिष्ठ नेताओं संग मंत्रणा करने फडणवीस दिल्ली रवाना

मुंबई. महाराष्ट्र में जारी सियासी उठापटक के बीच पूर्व सीएम देवेंद्र फडणवीस दिल्ली के लिए रवाना हो गए हैं। वे यहां भाजपा के वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात करेंगे। भाजपा के सूत्रों ने बताया कि नेता प्रतिपक्ष देवेंद्र फडणवीस समेत पार्टी के कई नेताओं ने सरकार बनाने के लिए जरूरी संख्या हासिल करने के वास्ते आज संवैधानिक प्रावधानों पर लंबे समय तक चर्चा की है।

इस वक्त महाराष्ट्र की राजनीति में जबरदस्त खलबली मची हुई है। महाविकास अघाड़ी की सरकार खतरे में है। इस राजनीतिक संकट के पीछे कोई और नहीं बल्कि ठाकरे परिवार के सबसे करीबियों में से एक एकनाथ शिंदे हैं। महाराष्ट्र में जारी सियासी उठापटक के बीच मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने शाम 7 बजे जिला स्तरीय नेताओं (विभाग प्रमुखों) की बैठक बुलाई है। पूरे सियासी खेल में बीजेपी की वेट एंड वॉच नीति की भी खूब चर्चा हो रही है। कहने के लिए तो पर्दे के पीछे सारा खेल बीजेपी द्वारा रचे जाने, मेजबानी के लिए उसके ही शासित राज्य का चुने जाने की वजहें भी गिनाई जा रही है।

महाराष्ट्र संकटः शरद पवार बोले- सरकार बचाने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे

बहुमत का फैसला विधानसभा में होगा

मुंबई. शरद पवार ने साफ तौर पर कहा कि जब विधायक मुंबई लौट आएंगे, तभी तस्वीर साफ हो पाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि उधर सरकार ने काफी बढ़िया काम किया है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि महा विकास अघाड़ी (टश्अ) ने मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को समर्थन देने का फैसला किया है।

महाराष्ट्र में लगातार राजनीतिक संकट बरकरार है। शिवसेना से एकनाथ शिंदे की बगावत के कारण महा विकास आघाडी सरकार खतरे में आ गई है। महा विकास आघाडी सरकार को एनसीपी और कांग्रेस का समर्थन हासिल था। इन सबके बीच आज एनसीपी की एक बड़ी बैठक हुई है। इस बैठक में खुद एनसीपी प्रमुख शरद पवार मौजूद रहे। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि बागी विधायकों को कीमत चुकानी होगी। इसके साथ ही बहुमत को लेकर जब सवाल पूछा गया तो उन्होंने कहा कि इसका फैसला विधानसभा में होगा। शरद पवार ने साफ तौर पर कहा कि जब विधायक मुंबई लौट आएंगे, तभी तस्वीर साफ हो पाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि उधर सरकार ने काफी बढ़िया काम किया है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि महा विकास अघाड़ी (टश्अ) ने मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को समर्थन देने का फैसला किया है। एनसीपी प्रमुख शरद पवार ने कहा कि सब जानते हैं कि कैसे शिवसेना के बागी विधायकों को गुजरात और फिर असम ले जाया गया। हमें उनकी मदद करने वालों का नाम लेने की जरूरत नहीं है...असम सरकार उनकी मदद कर रही है। मुझे आगे किसी का नाम लेने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि यह वक्त किसी की गलती निकालने के लिए नहीं है। सरकार बचाने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। एकनाथ शिंदे के बयान पर उन्होंने कहा कि इसके पीछे कौन है? हिंदुत्व को लेकर दिए जा रहे बयान पर शरद पवार ने कहा कि जो लोग आरोप लगा रहे हैं, वह ढाई साल तक कहां थे.

संपादकीय

संपादक - मुर्तुजा मामाजीवाला

स्कूली छुट्टियों का सर्कस

हिमाचल का शिक्षा विभाग अगर सर्कस के करतब दिखाना भी शुरू कर दे, तो इसकी प्रासंगिकता बढ़ जाएगी। अपने अनेक फैसलों खास तौर पर वार्षिक छुट्टियों की घोषणा को लेकर यह विभाग सर्कस ही तो कर रहा है। सर्कस शो का अंतिम पहर और भी रोमांचक है जब घोषित शैड्यूल के मुताबिक 21 जून से शुरू हो रहे अवकाश को एक दिन के लिए आगे बढ़ा दिया जाता है। यानी जो बच्चे अपने नाना या दादा के पास निकल गए, उनसे विभाग यह कहता देखा गया कि एक दिन लौट आओ। जाहिर है 21 को योग दिवस रहा, तो छुट्टी की अनिवार्यता रद्द होनी चाहिए थी, लेकिन तब तक शिक्षा विभाग की हेकड़ी परवान चढ़ चुकी थी। हद तो यह कि ग्रीष्मकालीन छुट्टियों का फैसला करते विभाग ने अध्यापकों तक की नहीं सुनी और न ही अभिभावकों की चिंताओं को पढ़ने का प्रयास किया। लगातार खींचतान के बीच गर्मियों और बरसात के महीनों में यह विभाग अपनी लाचारी का सबूत देता हुआ यह साबित कर रहा है कि महकमा सिर्फ शिमला में बैठकर एक मठाधीश के मानिंद निर्देश पारित कर सकता है, सो कर दिया।

अब छुट्टियां बिन बरसात के मौजे खोलकर बैठ जाएं या भरी बारिश में स्कूल पुनः खुलवा दें, इससे शिमला की फिजां को क्या फर्क पड़ता। इसी तरह गर्मियों में स्कूलों का समय परिवर्तित करने के तर्क सिर्फ सरकारी तनख्वाह के वितरण की तरह ही रहा, मजबूरियां दिखीं तो आनन-फानन में मौसम विभाग बनकर शिक्षा के आला अधिकारी शिमला में सूरज को देखकर ऊना की गर्मी को सफेद करने लगे। अब या तो हम यह मान लें कि शिक्षा विभाग का मौसम ज्ञान, मौसम विभाग से कहीं बेहतर है या यह जान लें कि इधर छुट्टियां घोषित हुईं और उधर मानसून ने भी सिर झुका के कबूल कर लिया। जाहिर तौर पर प्रदेश के हर सीजन की एक तय परंपरा है और अगर पिछले दस सालों की गर्मी-सर्दी को पढ़ लिया जाए तो वार्षिक अवकाश का कैलेंडर बन सकता है। बहुत पहले पीडब्ल्यू विभाग भी गफलत में था और इसलिए कभी टायरिंग बर्बाद होती थी, तो कभी बरसात में दरकते पहाड़ मार्ग अवरुद्ध कर देते थे, लेकिन अब इस दिशा में सुधार किया गया है। बरसात के मौसम में चप्पे-चप्पे पर जेसीबी मशीनों की उपलब्धता से यातायात की गारंटी मिलती है। क्या शिक्षा विभाग यह बता सकता है कि बाईस जून से अठाईस जुलाई तक के मानसून ब्रेक के तर्क क्या हैं। क्या 28 जुलाई के बाद का मौसम विभाग के नियंत्रण में रहेगा या बाईस जून से ही इतना बरस जाएगा कि जनजीवन अस्त-व्यस्त हो जाएगा। वर्षों से जुलाई व अगस्त महीनों की तासीर में स्कूली बच्चों को घर भेजा जाता रहा है, तो अब यह सीमा रेखा बार-बार शिक्षा विभाग के मस्तिष्क में जूएं पैदा क्यों कर रही। अगर पंद्रह जुलाई से 31 अगस्त तक भी छुट्टियां रखी जाएं, तो मौसम की उग्रता का दायरा पकड़ में आ सकता है, लेकिन यहां तो शिमला में बैठे शिक्षा के पुरोहितों को यह भी पता नहीं कि चंबा से सिरमौर तक या निचले इलाकों के लिए बरसात का कहर होता क्या है। बेशक स्कूलों में पढ़ाई के लिए अधिकतम समय देने की गुंजाइश होनी चाहिए, लेकिन विभाग बर्फबारी, गर्मी और बरसात में उलझ कर रह गया है।

महान देशभक्त थे डा.हेडगेवार, उनकी बताई राह पर अग्रसर है राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ

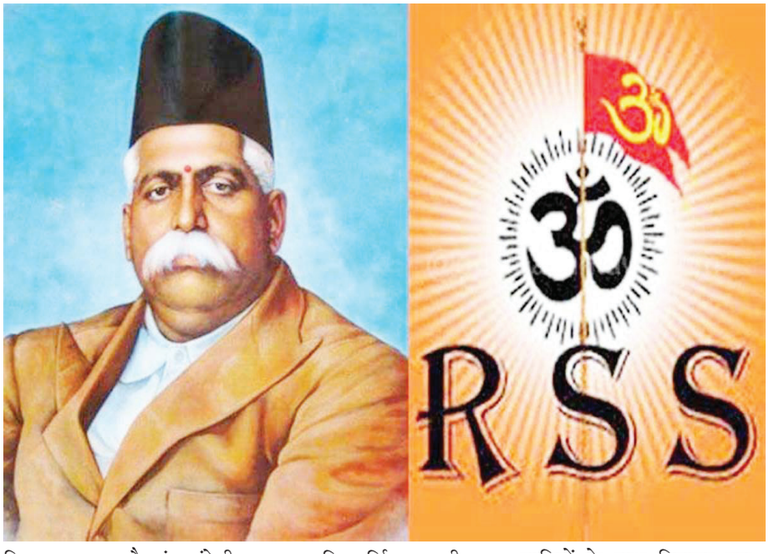

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के यशस्वी संस्थापक डा केशव बलीराम हेडगेवार की आज पुण्यतिथि है। सन् 1940 में 21 जून को जब उन्होंने अंतिम सांस ली तब उनकी आयु मात्र 51 वर्ष थी । 1925 में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना के रूप में उन्होंने जो पौधा लगाया था वह जब धीरे-धीरे पल्लवित हो रहा था तभी डा हेडगेवार ने अपने हजारों अनुयायियों को अलविदा कह दिया परंतु उस समय तक उन्हें यह विश्वास हो चुका था कि बिखरे हुए हिंदू समाज को संगठित करने के लिए संघ के रूप में उन्होंने जो नन्हा पौधा रोपा है वह आगे चलकर एक विशाल वट वृक्ष का रूप ले लेगा।

महान कर्मयोगी डा हेडगेवार ने मात्र आधी सदी के जीवन में हिंदू समाज को न केवल स्वाभिमान से जीना सिखा दिया बल्कि इस अहसास से भी भर दिया कि हिंदू समाज एक सूत्र में बंधने का संकल्प ले ले तो दुनिया की कोई भी शक्ति उसका बाल भी बांका नहीं कर सकती। इसमें कोई संदेह नहीं कि डॉ हेडगेवार ने हिंदू समाज को जो राह दिखाई उस राह पर अग्रसर हिंदू समाज राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बैनर तले संगठित होकर आज सारी दुनिया को अपनी सामर्थ्य का अहसास करा रहा है।डा हेडगेवार ने आठ वर्ष की छोटी सी आयु में ही यह प्रमाण दे दिया था कि राष्ट्रप्रेम उनके अंदर कूट कर भरा हुआ है। यह मौका था रानी विक्टोरिया के राज्यारोहण की साठवीं वर्षगांठ का जब इस उपलक्ष्य में उनके स्कूल में बांटी गई मिठाई का दोना उन्होंने घर आकर तिरस्कार पूर्वक फेंक दिया था। इसके बाद तो उनके व्यवहार में अंग्रेजी साम्राज्य के प्रति नफरत के प्रमाण बार बार मिलने लगे। जब वे नागपुर के नील सिटी स्कूल में नवीं कक्षा के छात्र थे तो तो उन्होंने अंग्रेज इंस्पेक्टर के आगमन पर अपने साथियों के मिल कर निर्भय होकर वंदेमातरम का गगनभेदी नारा लगाया था।केशव हेडगेवार को भली भाँति मालूम था कि अपनी इस राष्ट्र भक्ति के लिए उन्हें स्कूल से निष्कासित भी किया जा सकता है परंतु अंग्रेजी हुकूमत के प्रति अपनी असीम नफरत और मातृभूमि के प्रति अपने अटूट प्रेम की मुखरता के साथ अभिव्यक्ति के लिए उन्हें किसी दंड की परवाह नहीं थी। केशव बलीराम हेडगेवार का स्कूल से निष्कासन कर दिया गया लेकिन उनके चेहरे पर जरा सी भी शिकन नहीं आई । अगर केशव हेडगेवार क्षमायाचना के लिए तैयार हो जाते तो उनका निष्कासन रद्द भी हो सकता था परंतु जिस छात्र के मन में राष्ट्रप्रेम का सागर हिलोरें मार रहा हो उससे ऐसी उम्मीद भी कैसे की जा सकती थी। केशव हेडगेवार तो इसके लिए पहले से ही मानसिक रूप से तैयार थे। इसके बाद स्कूली शिक्षा पूरी करने के लिए उन्हें पूना भेजा गया जहां राष्ट्रीय विद्यालय से उन्होंने मेट्रिक की परीक्षा उत्तीर्ण की। इसके बाद वे चिकित्सा शिक्षा अर्जित करने के लिए कलकत्ता चले गए। वहां उन्होंने प्रथम श्रेणी में एल एम की परीक्षा तो उत्तीर्ण कर ली परंतु तब तक उनके मन में मातृभूमि की सेवा में ही संपूर्ण जीवन समर्पित कर देने की उत्कंठा प्रबल हो उठी थी इसलिए कलकत्ता में मेडिकल की पढ़ाई के दौरान ही वे क्रांतिकारियों के संगठन ह्यअनुशीलन समितिह्व और ह्ययुगांतरह्व के सम्पर्क में आ गए थे और उनकी गतिविधियों में सहयोग देने लगे थे। कलकत्ता में ही उनका हिंदू महासभा से जुड़ाव हुआ। जब उन्होंने मेडिकल की पढ़ाई पूरी कर उपाधि अर्जित कर ली तब उन्हें ब्रह्मदेश में तीन हजार रूपए मासिक की सम्मानजनक नौकरी का आफर भी मिला था परन्तु डा केशव बलीराम हेडगेवार तो तन मन धन से मातृभूमि की सेवा का व्रत पहले ही ले चुके थे इसलिए उन्होंने मोटी तनख्वाह वाली नौकरी का आफर ठुकरा दिया और 1915 में नागपुर लौट आए।

नागपुर लौट कर वे कांग्रेस पार्टी से जुड़ गए और शीघ्र ही विदर्भ प्रांतीय कांग्रेस के सचिव पद की जिम्मेदारी उन्हें सौंप दी गई। 1921 में कांग्रेस के असहयोग आंदोलन में हिस्सा लेने के कारण उन्हें एक वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई गई। जेल से रिहा होने के बाद उनके मन में हिंदू समाज को संगठित कर उसके लिए एक सशक्त प्लेटफार्म तैयार करने के विचार पनपने लगे और वे समान विचारधारा के लोगों से सम्पर्क साधने लगे। उन्होंने मन ही मन यह संकल्प ले ले लिया कि अब हिंदू समाज को संगठित करने के लिए एक सशक्त संगठन की स्थापना किए बिना चेन नहीं लेंगे। दरअसल यही वह समय था जब डा केशव बलीराम हेडगेवार के जीवन में निर्णायक मोड़ आने के संकेत मिलने लगे थे।डा हेडगेवार ने हिंदू समाज को संगठित करने का जो सुनहरा स्वप्न अपने मन में संजोए रखा था उसे साकार करने का शुभ समय 1925 में विजयादशमी पुनीत तिथि को आया जब उन्होंने मुट्ठी भर साथियों के साथ मिलकर उस हिंदू संगठन की नींव रखी जो आज विश्व में हिंदुओं का सबसे बड़ा संगठन कहलाने का गौरव अर्जित कर चुका है। यहां यह भी विशेष उल्लेखनीय है कि इस न ए संगठन का राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ नामकरण भी इसकी स्थापना के एक वर्ष बाद किया गया था। जिस बैठक में नए संगठन को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ नाम दिया गया उस बैठक में तीन नाम प्रस्तावित किए गए थे । उन नामों पर बैठक में मौजूद सदस्यों की राय जानने के लिए बाकायदा मतदान कराया गया । चूंकि सदस्यों का बहुमत नवगठित संगठन का नाम करण राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ करने के पक्ष में था इसलिए डा हेडगेवार की मेहनत और लगन के इस मधुर फल ने उस दिन से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के रूप में अपनी पहचान बना ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ नाम आज किसी परिचय का मोहताज नहीं है । विश्व के 50से अधिक देशों में यह अपनी पहचान बना चुका है। देश के अंदर इसकी लगभग 60 हजार शाखाएं संचालित की जा रही हैं। 50 से अधिक इसके आनुषंगिक संगठन हैं। एक और उल्लेखनीय बात यह भी है कि डा हेडगेवार ने चंद कार्यकताओं के साथ मिलकर संघ की स्थापना तो 1925 में कर दी थी परन्तु संघ में सरसंघचालक, सरकार्यवाह और प्रचारक के पदनाम चार वर्ष बाद तय किए गए।

मुख्तार अंसारी की पत्नी पर एक्शन, डीएम ने दिया 3.76 करोड़ की संपत्ति कुर्क करने का आदेश

मऊ. उत्तर प्रदेश के मऊ जनपद में माफिया मुख्तार अंसारी की पत्नी अफसा अंसारी के खिलाफ अब एक्शन शुरू हो गया. मऊ के जिला अधिकारी ने उनकी संपत्ति को कुर्क करने का आदेश दिया है. इस संपत्ति की कुल कीमत तीन करोड़ 76 लाख बताई जा रही है. जिलाधिकारी अरुण कुमार ने गैंगस्टर एक्ट के तहत मुख्तार अंसारी के परिवार द्वारा करीब एक दशक पहले अवैध तरीके से अर्जित संपत्तियों के खिलाफ कुर्की अभियान का आदेश दिया है.

डीएम अरुण कुमार की ओर से जारी आदेश के मुताबिक, गाजीपुर के मोहम्मदाबाद जनपद में स्थित यूसुफपुर थाना क्षेत्र में पड़ने वाले वार्ड नंबर 9 के दर्जी टोला की निवासी मुख्तार अंसारी की पत्नी अफसा अंसारी ने अवैध रूप से अर्जित धन से गाजीपुर जनपद के ही सदर तहसील के मौजा शेखपुर परगना में आराजी संख्या 70 में 235 एयर रकबा जमीन खरीदी थी. अब उस जमीन को गैंगस्टर एक्ट के तहत कुर्क करने के आदेश जारी किए गए. इस जमीन का बाजार मूल्य लगभग तीन करोड़ 76 लाख रुपये है.अफसा अंसारी के खिलाफ जनपद गाजीपुर के कई थानों के अलावा जनपद मऊ में भी थाना सराय लखंसी एवं थाना दक्षिण टोला में विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज है. जिलाधिकारी ने बताया कि शासन की मंशा के अनुरूप जनपद में गैंगस्टर एक्ट के अंतर्गत अवैध तरीके से अर्जित किए गए धन के प्रयोग से निर्मित चल/अचल संपत्तियों के विरुद्ध अभियान चलाकर कार्यवाही करने का कार्य किया जा रहा है. उन्होंने बताया कि जनपद में ऐसे सभी लोगों का चिन्हीकरण का कार्य किया जा रहा है, जो अवैध कार्यों में लिप्त हैं और जिनके विरुद्ध गैंगस्टर एक्ट के अंतर्गत कार्यवाही करने के पर्याप्त आधार मौजूद हैं तथा जिन्होंने अवैध तरीके से अर्जित धन से बड़ी संख्या में चल एवं अचल संपत्तियां खड़ी की हैं. ऐसे सभी लोगों के खिलाफ कुर्क की कार्यवाही भी की जाएगी. मुख्तार अंसारी की पत्नी पर एक्शन, डीएम ने दिया 3.76 करोड़ की संपत्ति कुर्क करने का आदेश वहीं पुलिस अधीक्षक सुशील घुले का कहना है कि जिलाधिकारी के कोर्ट से पुलिस के पैरवी पर के तरह कुर्क करने का आदेश हुआ है.

कांवड़ यात्रा की तैयारियां शुरू, साफ-सफाई के साथ विशेष व्यवस्थाओं पर दिया जा रहा ध्यान

मेरठः उत्तर प्रदेश सरकार ने 14 जुलाई से 12 अगस्त तक चलने वाली वार्षिक कांवड़ यात्रा की तैयारी शुरू कर दी है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, यात्रा के मार्गों में साफ-सफाई और बिजली की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए विशेष व्यवस्था की जा रही है। कांवड़ यात्रा भगवान शिव के भक्तों की एक वार्षिक तीर्थयात्रा है। भक्त उत्तराखंड में हरिद्वार, गोमुख और गंगोत्री से गंगा नदी का जल लेते हैं और इसे अपने स्थानीय शिव मंदिरों में शिवलिंग का जलाभिषेक करने के लिए सैकड़ों मील तक पैदल ले जाते हैं मेरठ के जिलाधिकारी दीपक मीणा ने कहा कि विभिन्न मंदिरों में कांवड़ यात्रा से लेकर जलाभिषेक तक के कार्यक्रमों को प्लास्टिक मुक्त रखने के लिए उन्होंने विशेष योजना तैयार की है।

कांग्रेस नेताओं को जल्द मिलेगा राजनीतिक नियुक्तियों का तोहफा, जुलाई में आ सकती है तीसरी सूची

जयपुरः राजस्थान में राज्यसभा चुनाव की सरगर्मी खत्म होते ही अब राजनीतिक नियुक्तियों की तीसरी सूची को लेकर सुगबुगाहट शुरू हो गई है. माना जा रहा है कि जुलाई महीने में राजनीतिक नियुक्तियों की तीसरी सूची जारी की जा सकती है. अभी तक राज्यसभा चुनाव के चलते यह सूची अटकी हुई थी. प्रदेश के आधा दर्जन से ज्यादा बोर्ड-निगम और अकादमियों के साथ ही करीब 15 यूआईटी में राजनीतिक नियुक्तियां होनी हैं. पूर्व में जारी हो चुकी दो सूचियों में जिन नेताओं को नियुक्ति नहीं मिल पाई थी उन्हें अब इस तीसरी सूची का बेसब्री से इंतजार है. हालांकि कांग्रेस के आंदोलन के चलते यह इंतजार और ज्यादा लम्बा होता जा रहा है.

पहले माना जा रहा था कि राज्यसभा चुनाव संपन्न होने के कुछ दिनों बाद ही राजनीतिक नियुक्तियों की तीसरी सूची आ जाएगी लेकिन अब जुलाई माह में यह सूची आने की चचाएं हैं. इससे पहले राजनीतिक नियुक्तियों की दो जम्बो सूचियां जारी हो चुकी हैं. उनमें कुल 132 नेताओं को नियुक्तियां दी गई थी. पहली सूची में 58 और दूसरी सूची में 74 नेताओं को राजनीतिक नियुक्ति का तोहफा दिया गया था. अब तीसरी सूची में 40 से 50 नाम शामिल हो सकते हैं. कहा जा रहा है कि प्रदेश स्तर पर शेष रही राजनीतिक नियुक्तियों की सूची सीएम गहलोत, पीसीसी चीफ गोविन्द सिंह डोटासरा और प्रदेश प्रभारी अजय माकन की आपसी चर्चा के बाद पहले ही आलाकमान को भेजी जा चुकी है.

अब इस पर केवल आलाकमान की मुहर लगना बाकी है. पार्टी आलाकमान अभी चूंकि दूसरे बड़े मसलों में उलझा है लिहाजा सूची को मंजूरी मिलने में देरी हो रही है.

विवाद की स्थिति से बचने के लिए राज्यसभा चुनाव से पहले इस सूची को जारी नहीं किया गया था. राजस्थान में जिन राज्यस्तरीय बोर्ड-निगमों में नियुक्तियां अभी होनी शेष हैं उनमें मदरसा बोर्ड, अल्पसंख्यक वित्त निगम, देवस्थान बोर्ड और हाउसिंग बोर्ड शामिल हैं.

रांची हिंसा मामले के आरोपी मो. आरिफ की जमानत याचिका कोर्ट ने कर दी खारिज

रांची. 10 जून को रांची में हुई हिंसा के मामले में सिविल कोर्ट ने आरोपी मो. आरिफ को जमानत देने से बुधवार को इनकार कर दिया है. रांची में हिंसा के आरोपी मो. आरिफ ने कोर्ट में जमानत याचिका दाखिल की थी. इस मामले में दोनो पक्षों की ओर से पूरी बहस सुनने के बाद कोर्ट ने बेल पिटीशन रिजेक्ट कर दिया है. बता दें कि बीते मंगलवार को नामजद आरोपियों में मोहम्मद आरिफ ने जमानत की गुहार लगाई थी.10 जून को रांची में हुई हिंसा के आरोपी मोहम्मद आरिफ पर आईपीसी की धारा 147, 149, 341, 427, 295(अ), 120(इ) लगाई गई है. बता दें कि भाजपा प्रवक्ता नूपुर शर्मा के दिए विवादास्पद बयान के कई दिन बाद रांची में 10 जून को हिंसक विरोध प्रदर्शन हुआ था. इस मामले में 29 लोग गिरफ्तार किए गए थे. सोशल साइट्स पर भड़काऊ पोस्ट डालने के

खिलाफ 8 मामले दर्ज किए गए थे.जिला प्रशासन ने सरकार को सौंपी अपनी रिपोर्ट में बताया था कि रांची में हिंसा के लिए सोशल साइट पर अलग अलग कई विंग बनाए गए थे. इस मामले में पुलिस ने जांच के लिए एसआईटी का गठन भी किया था, जिसका नेतृत्व रांची के सिटी एसपी कर रहे हैं. वहीं जिला प्रशासन ने भी एक रिपोर्ट भेजी है, जिसमें बताया गया है कि रांची में हुई हिंसा कैसे हुई. भीड़ अनियंत्रित कैसे हुई इसकी भी विस्तृत जानकारी दी गई है. मामले को लेकर रांची उपायुक्त ने बताया था कि हर एक पहलू की जांच की गई है. वहीं कुछ जांच अभी भी चल रही है. रांची उपायुक्त छवि रंजन ने कहा था कि खासतौर से सोशल साइट्स की जांच की जा रही है. घटना से संबंधित संदेश बारीकी से जांचे जा रहे हैं. साइबर सेल कॉल डंप भी निकाल रही है, ताकि उपद्रवियों और साजिशकताओं की जानकारी स्पष्ट रूप से सामने आ सके.

कविता

कहै कबीर दीवाना-ओशो

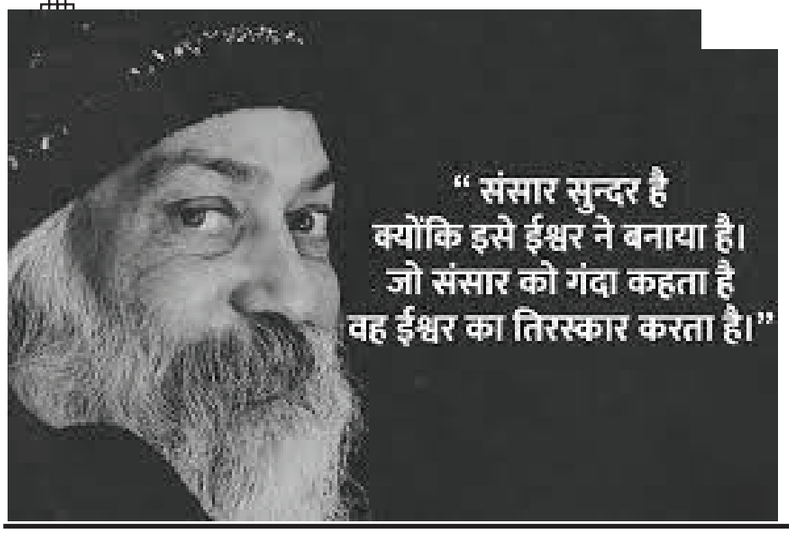

अभी तो उस प्रेमी की खबर मिली है। एक हवा का झोंका आया है। प्रीति लागी तुम नाम की। अभी तो नाम सुना है। एक भनक पड़ी है।

यह कैसे लगती है नाम की प्रीति? क्योंकि जिसे देखा नहीं, जिसे जाना नहीं, जिसे पहचाना नहीं, जिसे कभी आलिंगन नहीं किया, जिसका कभी स्पर्श नहीं हुआ, उसकी प्रीति कैसे लगती है?

व्यक्तियों के जगत में, नंबर दो के प्रेम में तो जिस स्त्री को तुमने देखा हो, पहचाना हो, स्पर्श किया हो, उसकी ही प्रीति जाती है। कोई अपरिचित स्त्री, जो कहीं तिब्बत में हो, जिसका कुछ पता ही नहीं, न जिसकी तस्वीर देखी हो, या न कभी जिसे फिल्म में देखा हो, उससे तुम्हारा प्रेम होता है? कैसे होगा? नाम भी कोई बता दे, तो भी क्या सुन कर प्रेम हो जाएगा? फिर परमात्मा का प्रेम कैसे लता है? प्रीति लागी तुम नाम की--यह घटना घटती है? यह अनघट घटना कैसे घटती है? इसका राज है। **जारी...**

इंस्टेंट शुगर कंट्रोल करने के लिए रोजाना पिएं ये खास ड्रिंक

खराब दिनचर्या, गलत खानपान और तनाव के चलते कई बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। इनमें मधुमेह, मोटापा, उच्च रक्तचाप, स्ट्रोक आदि शामिल हैं। डायबिटीज की बीमारी रक्त में शर्करा स्तर बढ़ने और अग्नाशय से इन्सुलिन हार्मोन न निकलने पर होती है। इस बीमारी के प्रमुख लक्षण बार-बार पेशाब आना, भूख और प्यास अधिक लगना, थकान, पैरों में झुनझुनी हैं। विशेषज्ञ हमेशा डायबिटीज के मरीजों को सेहत पर विशेष ध्यान देने की सलाह देते हैं। इसके लिए सही दिनचर्या का पालन, उचित

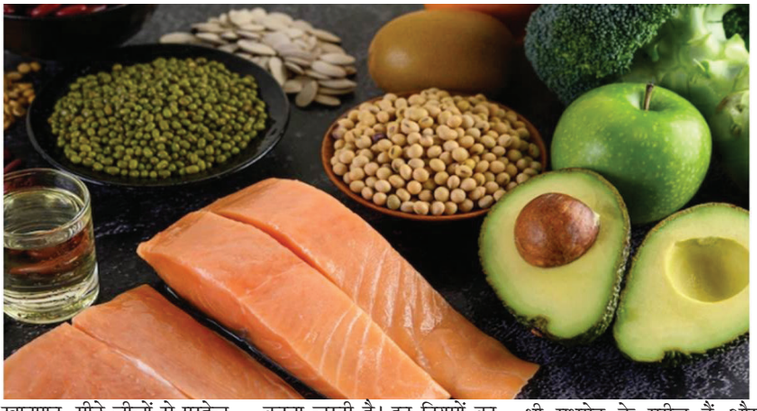

खानपान, मीठे चीजों से परहेज, नियमित रूप से दवा लेना और रोजाना एक्सरसाइज और योग करना जरुरी है। इन नियमों का पालन करने से शुगर को कंट्रोल किया जा सकता है। अगर आप भी मधुमेह के मरीज हैं और शुगर कंट्रोल करना चाहते हैं, तो रोजाना सुबह में ये खास ड्रिंक जरूर पिएं। इसके सेवन से शुगर कंट्रोल करने में मदद मिलती है। आइए जानते हैं कई शोधों में खुलासा हुआ है कि जीरा पानी सेहत के लिए वरदान साबित होता है।

इसके सेवन से इम्यून सिस्टम मजबूत होता है। वहीं, जीरे में प्रोटीन, कैल्शियम, जिंक, कॉपर, आयरन, काबोर्हाइड्रेट मेग्नेशियम, पोटेशियम, विटामिन-सी, विटामिन-के, विटामिन-बी 1, 2, 3, विटामिन-ई आदि पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो सेहत के लिए फायदेमंद साबित होते हैं। इसके अलावा, जीरे में एंटी-इंफ्लेमेटरी, एंटी माइक्रोबियल, एंटी ऑक्सीडेटिव के गुण पाए जाते हैं, जो शुगर कंट्रोल करने में सहायक होते हैं। पर छपी शोध में खुलासा हुआ है कि जीरा मधुमेह के मरीजों के दवा समान है।

इसके सेवन से शुगर कंट्रोल करने में मदद मिलता है इसके लिए रात में सोने से पहले एक गिलास पानी में आधा चम्मच जीरा डालकर रख दें। अगले दिन सुबह में खाली पेट जीरे पानी का सेवन करें और जीरे को चबाकर खा जाएं। इसके अलावा, बढ़ते वजन को कंट्रोल करने में भी सहायता मिलती है।

अमिताभ बच्चन ने नाच पंजाबन पर किया डांस

मुंबई। बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन ने आने वाली फिल्म जुग जुग जियो के नाच पंजाबन गाने पर डांस किया है। वरुण धवन और कियारा आडवाणी की आने वाली फिल्म जुग-जुग जियो का गाना नाच पंजाबन रिलीज होने के बाद से सोशल मीडिया पर धूम मचा रहा है।बॉलीवुड के कई सितारो ने इस गाने पर डांस किया है। अमिताभ बच्चन सोशल मीडिया पर जबरदस्त एक्टिव रहते हैं। वह अकसर अपनी लाइफ से जुडे अपडेट फैंस के साथ भी साझा करते रहते हैं। अमिताभ

की एक तस्वीर इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रही है, जिसमें वह फिल्म नाच पंजाबन गाना के स्टेप को रीक्रिएट करते नजर आ रहे हैं। तस्वीर अमिताभ बच्चन ब्लू कलर का हुडी पहने हुए नाच पंजाबन के हुक स्टेप को करते हुए दिख रहे हैं। इस तस्वीर को इंस्टाग्राम पर शेयर कर उन्होंने लिखा, नाच पंजाबन नाच पंजाबन, नाच पंजाबन। अमिताभ बच्चन की इस तस्वीर को सोशल मीडिया पर खूब पसंद किया जा रहा है।

बोनी कपूर के साथ काम करेंगी जान्हवी कपूर

मुंबई - बॉलीवुड अभिनेत्री जान्हवी कपूर अपने पिता बोनी कपूर के साथ काम करती नजर आयेंगी। जाह्नवी कपूर इस समय अपनी फिल्म गुडलक जैरी को लेकर चर्चा में हैं। इसी बीच एक और जानकारी सामने आ रही है कि वह आगामी प्रोजेक्ट में अपने पिता बोनी कपूर संग काम करेंगी।जान्हवी कपूर अपने पिता बोनी कपूर के साथ एक विज्ञापन में नजर आने वाली हैं। यह पहली बार होगा जब पिता और बेटी की जोड़ी एक साथ स्क्रीन पर नजर आएगी। जल्दी ही इसकी शूटिंग मुंबई में ही की जाएगी। जान्हवी

कपूर फिल्म ह्यमिलीह्न में भी काम कर रही हैं, जिसे बोनी कपूर प्रोड्यूस कर रहे हैं।इसकी शूटिंग भी पूरी हो चुकी है। फिल्म में जान्हवी के साथ अभिनेता सनी कौशल नजर आने वाले हैं।

रणजी फाइनल में सरफराज खान का दमदार शतक, टेस्ट टीम के लिए पेश की मजबूत दावेदारी

नई दिल्ली: रणजी ट्रॉफी का फाइनल मुकाबला मुंबई और मध्य प्रदेश के बीच खेला जा रहा है. दूसरे दिन मुंबई के विस्फोटक बल्लेबाज सरफराज खान शानदार शतक जड़ा. सरफराज खान ने 190 गेंदों में 12 चौके की मदद से शतकीय पारी खेली. सरफराज इस सीजन में 900 से ज्यादा रन बना चुके हैं. दूसरे दिन खेल शुरूआ होते ही गौरव यादव ने शम्स मुलानी को आउट कर मुंबई को छठा झटका दिया. हालांकि, इसका असर सरफराज पर नहीं पड़ा. सरफराज खान ने इससे पहले रणजी ट्रॉफी 2019-2020 के सीजन में 6 मैचों में 928 रन बनाए थे. इस सीजन में भी उन्होंने छह मुकाबले ही खेले हैं. सरफराज खान के पास एक सीजन में एक हजार रन पूरे करने का मौका है. मुंबई की तरफ से श्रेयस अय्यर (1321 रन), वसीफ जाफर (1260 रन), अजिंक्य रहाणे (1089) और रुसी मोदी (1008) ही एक सीजन में हजार से ज्यादा बना सके है. सरफराज खान रणजी ट्रॉफी में दो अलग-अलग सीजन में 900 से ज्यादा रन बनाने वाले सिर्फ तीसरे बल्लेबाज हैं. वो मुंबई की तरफ से ये कारनाम करने वाले पहले खिलाड़ी हैं. रणजी ट्रॉफी के 88 सालों के इतिहास में सबसे पहले अजय शर्मा ने किया था. अजय शर्मा ने 1991-92 के रणजी सीजन में 993 और 1996-7 के सीजन में 1033 रन बनाए थे. शर्मा दिल्ली और हिमाचल प्रदेश की तरफ से फर्स्ट क्लास क्रिकेट खेल चुके हैं. वहीं, मुंबई के महान रणजी खिलाड़ी वसीफ जाफर ने 2008-09 के सीजन में टीम की तरफ 1260 रन बनाया था. करियर के आखिरी दिनों में वो विदर्भ की ओर से खेलने लगे थे. उन्होंने भी 2020 के सीजन में विदर्भ की तरफ से 1037 रन का आंकड़ा पार किया था. जाफर एकमात्र खिलाड़ी जिन्होंने दो बार अलग-अलग सीजन में हजार रन का आंकड़ा पार किया है. ल्ल24 साल के सरफराज खान ने 24 फर्स्ट क्लास मैच में करीब की औसत 84 की औसत से 2350 से ज्यादा रन बना चुके हैं.

टीम इंडिया को 6 दिन खेले गए फाइनल में मिली हार, विराट कोहली ने दूसरी आईसीसी ट्रॉफी गंवाई

नई दिल्ली: विराट कोहली ठीक एक साल पहले यानी 23 जून 2021 को बतौर कप्तान आईसीसी ट्रॉफी जीतने से चूक गए थे. वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के डेब्यू सीजन के फाइनल में न्यूजीलैंड ने टीम इंडिया को 8 विकेट से हराया था. बारिश के कारण यह मैच 6 दिन तक खेला गया था. आईसीसी की ओर से इसके लिए एक अतिरिक्त दिन रखा गया था. इससे पहले कोहली की कप्तानी में भारतीय टीम 2017 में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में भी हारी थी. वे बतौर कप्तान आईसीसी ट्रॉफी नहीं जीत सके. इस कारण कई बार उनकी कप्तानी पर सवाल भी उठे. पूर्व भारतीय कोच रवि शास्त्री ने भी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में मिली हार को सबसे बड़ा दर्द बताया था.साउथम्प्टन में खेले गए इस मुकाबले में पहले दिन बारिश के कारण खेल नहीं हो सका था. न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला किया. टीम इंडिया का स्कोर पहली पारी में एक समय 3 विकेट पर 149 रन था. इसके बाद पूरी टीम 217 रन पर सिमट गई. विराट कोहली ने 44 और अजिंक्य रहाणे ने 49 रन बनाए. रोहित शर्मा ने 34 रन का योगदान दिया. 5 बल्लेबाज दहाई के आंकड़े को नहीं छू सके. तेज गेंदबाज काइल जेमिसन ने 31 रन देकर 5 विकेट झटके. यही मैच का टर्निंग प्वाइंट भी साबित हुआ. जवाब में न्यूजीलैंड ने पहली पारी में 249 रन बनाकर 32 रन की बढ़त हासिल की. डेवॉन कॉनवे ने सबसे अधिक 54 रन बनाए. इसके अलावा केन विलियमसन ने भी 49 रन का योगदान दिया. अंत में टिम साउदी ने 30 रन बनाकर स्कोर को 250 के करीब पहुंचाया. भारत की ओर से मोहम्मद शमी ने 4 और इशांत शर्मा ने 3 विकेट लिए. जवाब में टीम इंडिया की दूसरी पारी की शुरूआत बेहद खराद रही थी. टीम ने 72 रन पर 4 बड़े विकेट गंवा दिए थे.काइन जेमिसन ने लगातार दूसरी पारी में विराट कोहली को आउट किया. वे सिर्फ 13 रन बना सके.

चेतेश्वर पुजारा ने भारतीय टीम में वापसी का श्रेय रणजी ट्रॉफी-काउंटी क्रिकेट को दिया

नई दिल्ली. भारत के स्टार बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने कहा कि रणजी ट्रॉफी और काउंटी चैंपियनशिप में फर्स्ट क्लास क्रिकेट में खेलने से उन्हें अपनी फॉर्म और राष्ट्रीय टीम में वापसी करने में मदद मिली. 34 वर्षीय पुजारा को इस साल के शुरू में श्रीलंका के खिलाफ भारत की घरेलू टेस्ट सीरीज के लिये टीम में नहीं चुना गया था. ससेक्स की तरफ से पांच मैचों में 120 की औसत से 720 रन बनाने के बाद उन्हें इंग्लैंड के खिलाफ 5वें टेस्ट के लिये फिर से राष्ट्रीय टीम में चुना गया. पुजारा ने रणजी ट्रॉफी में मुंबई के खिलाफ 83 गेंदों में 91 रनों की पारी खेली थी. उन्होंने दूसरी डिवीजन की काउंटी चैंपियनशिप में ससेक्स के लिये दो दोहरे शतकों सहित चार शतक लगाये. पुजारा ने बीसीसीआई टीवी से कहा, ह्यह्यमेरे लिये यह अधिक से अधिक प्रथम श्रेणी मैचों में खेलने से जुड़ा था. यह अनुभव महत्वपूर्ण था. जब आप फॉर्म में वापसी करना चाहते हैं, जब आप अपनी लय हासिल करना चाहते हैं, जब आपके पास वह एकाग्रता हो तो कुछ लंबी पारियां खेलना महत्वपूर्ण होता है.उन्होंने कहा, इसलिए, जब मैं ससेक्स के लिये खेल रहा था .

NCP की बैठक खत्म अजित पवार बोले

मुंबई : महा विकास आघाडी छोड़ने के संजय राउत के बयान पर अजीत पवार ने कहा कि उन्होंने ऐसा बयान क्यों दिया है, इसके बारे में मैं कुछ नहीं कह सकता। उन्होंने कहा कि सरकार बचाने की जिम्मेदारी तीनों दलों की है। जब अजित पवार से पूछा गया कि इस बगावत के पीछे भाजपा का हाथ है, तो उन्होंने साफ तौर पर कहा कि अभी तक तो ऐसा नहीं लगा।

महाराष्ट्र में चल रहे राजनीतिक घटनाक्रम को लेकर एनसीपी नेताओं की बैठक संपन्न हो गई है। बैठक के बाद उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने संवाददाताओं को संबोधित किया। अजित पवार ने कहा कि इस सरकार को बचाने के लिए जो कुछ भी करना पड़े, उसे करने के लिए हम तैयार हैं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि हमारे विधायक हमारे साथ हैं। उद्धव ठाकरे के साथ अंत तक खड़े रहेंगे। उन्होंने दावा किया कि एनसीपी ने कभी भी किसी भी काम में अड़ंगा नहीं लगाया।

ये आरोप बेबुनियाद है। उन्होंने उम्मीद जताई कि उद्धव ठाकरे इस संकट को सुलझा लेंगे।महा विकास आघाडी छोड़ने के संजय राउत के बयान पर अजीत पवार ने कहा कि उन्होंने ऐसा बयान क्यों दिया है, इसके बारे में मैं कुछ नहीं कह सकता।

उन्होंने कहा कि सरकार बचाने की जिम्मेदारी तीनों दलों की है। जब अजित पवार से पूछा गया कि इस बगावत के पीछे भाजपा का हाथ है, तो उन्होंने साफ तौर पर कहा कि अभी तक तो ऐसा नहीं लगा। उन्होंने कहा कि हम मौजूदा राजनीतिक हालात पर नजर बनाए हुए हैं। छगन भुजबल ने कहा कि हम सीएम उद्धव ठाकरे के साथ खड़े हैं और अंतिम क्षण तक उनका समर्थन करेंगे। हमारे पास सरकार के लिए नंबर हैं .

महाराष्ट्र में अब क्या होगी राज्यपाल की भूमिका

मुंबई :महाराष्ट्र में राजनीतिक घटनाक्रम तेजी से बदल रहा है. मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की कुर्सी खतरे में पड़ गई है. शिवसेना के बागी नेता एकनाथ शिंदे ने 40 से ज्यादा विधायकों के समर्थन का दावा किया है. ऐसे में इस बात के संकेत मिल रहे हैं कि ठाकरे की सरकार अब अल्पमत में आ गई है. लिहाजा अब हर किसी की निगाहें महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी पर टिकी हैं. क्या वो विधानसभा को भंग करने का फैसला लेंगे? या फिर पूरा मामला फ्लोर टेस्ट तक पहुंचेगा. आईए इस कानूनी दांव-पेच को विस्तार से समझते हैं. राज्यपाल के अधिकार को समझने से पहले सबसे पहले जान लेते हैं कि आखिर फ्लोर टेस्ट क्या है. ये एक ऐसी प्रक्रिया होती है, जिससे ये फैसला किया जाता है कि मौजूदा सरकार या मुख्यमंत्री के पास पर्याप्त बहुमत है .

URGENTLY REQUIRED FEMALE STAFF
VACANCY VACANCY
ICON OPTICAL GALLERY
Urgently Required Female Staff
Accountant Cum Sales Girl For Counter Sell.
Note : Must Have Computer Operating Knowledge
Contact Us : 9819292152
Shop No. 52, R.N.A. Arcade, Lokhandwala Complex, Andheri (West), Mumbai - 400 053
murtaza12152@yahoo.com

TASNEEM COLLECTION
Online Shopping Hub
Only of Ladies Bags, Kurtis, Accessories
Kitchen & Household items
Baby products
Plastic items
And much more.....all under one roof
Best business apportunity for housewives to become reseller & earn at zero investment
RH 1, C 26 row house number, Swamy Ayyappam temple road, Sector. 8, New Mumbai, Vashi-400 703
Farida Rampurawala : 8898065152

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक संपादक – मुर्तुजा मामाजीवालाा के द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, युनिट नं. 4, ग्राउंड फ्लोअर, एन. के इंडस्ट्रिअल इस्टेट , ऑफ आरे रोड , प्रवासी इंडस्ट्रिअल इस्टेट के पास , गेट नं. 2, गोरेगाव (पूर्व),मुंबई - 400063 से मुद्रित कर शिव वातुक सेना कासिम नगर नियर लक्ष्मी इस्टेट न्यू लिंक रोड, अधेरी (प),मुंबई -400053 प्रकाशित । संपादक: मुर्तुजा मामाजीवाला मों. 9819199997
■ T.C. NO. MAHHIN10172 ■ ईमेल: newsicon2021@gmail.com ■ newsicon.net